

संसामा रण

EXTRAORDINARY

भाग [---खण्डा

PART I-Section 1

प्राणिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34]

नई विल्ली, शुक्रवार, फ**्यरी 14, 1975/मान 25, 1896**

No. 34]

NEW DELHI, FRIDAY, FRBRUARY 14, 1975/MAGHA 25, 1896

इल भाग में भिन्न पुन्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन क रूप में रक्का जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation.

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 14th February 1975

Subject.—Utilisation of Release Orders.

No 13-ITC(PN)/75.—Attention is invited to Para 97 of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure for the year 1974-75, regarding the procedure for allotment of imported goods canalised through public sector agencies.

- 2. It has been decided that in future all the release order holders will have to get the release orders registered with the canalising agencies within a period of sixty days from the date of Issue of the release order in accordance with the condition prescribed by the canalising agency concerned in this regard. If a release order is not registered within the aforesaid prescribed period, it shall be deemed to have lapsed.
- 3. The following new condition shall be deemed to have been added in the form of release order as given in Appendix 34 of the Hand Book of Rules and Procedure, 1974-75:—
 - "7 It is a condition of this release order that it shall be registered with the canalising agency concerned within 60 days from the date of its issue, in accordance with the conditions prescribed by the canalising agency concerned. Failure on the part of the release order holder to register the release order within the stipulated time will render the release order invalid for being serviced by the canalising agency."

- 4 It has also been decided that holders of all the existing registered with the canalising agencies concorned, within a period of sixty days from the date of issue of this Public Notice. All such release orders which are not registered with the canalising agencies within the specified period, will be desired to have laysed.
- 5. All release orders, including those registered with the canalising agencies concerned, within the period of sixty days as stipulated above, shall expire as soon as their validity period, which is normally 12 months, is over and the canalising agencies shall not service the release orders which have expired. However, requests for revalidation of release orders, upto a period of six months at a time, may be considered, on merits, in each case by the licensing authority concerned, in cases where the applicant produces a letter, in original, from the canalising agency concerned that the goods covered by the particular Release Order could not be supplied by them within the original or extended validity period, as the case may be, on account of circumstances beyond the control of the applicant
- 6. The relevant provisions of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure for 1974-75 and the Import Trade Control Red Book (Volum, I) for the year 1974-75 may be deemed to have been amended accordingly.

B. D. KUMAR.

Chief Controller of Imports and Exports.

वाधिक्य मंत्रक्षय सार्वजनिक सुचना

क्रामात स्थायार नियंत्रक

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1975

विषय .---रिहाई घाषेशों का एवयोग ।

- सं 2 13-काई व्ही व्ही व (यी व एव व). ---सार्वजनिक क्षेत्र अभिकरणो के माध्यम से सरणीवद्ध किए सप् आयातित माल के आवंटन के लिए प्रक्रिया में सम्बन्धित आयान व्यापार निमंत्रण है ड्युक, कियाविकि, 1974-75 के बैरा 97 की और ध्यान आकृष्ट किया जाता है।
- 2. यह निष्णय किया गया है कि भिष्णय में सभी रिहाई आदेशधारियों को रिहाई आदेशों का पंजीकरण सरणियद करने वाले अभिकरणों के पास इस सम्बन्ध में सम्बद्ध सरणीयद करने वाले अभीकरण द्वारा निर्धारित णलीं के अनुसार रिहाई ब्रादेश जारी होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर कराना होगा । यदि उसत निर्धारित अविध के भीतर रिहाई ब्रादेश का पंजीकरण नहीं करावा जाता है तो इसे समाप्त हुआ समझा जाएगा ।
- 3. क्रियाविधि की हैंडयुक, 1974--75 के परिधिष्ट 34 में संधा प्रदान रिहाई आदेश के अपन में किम्मलिखित शर्त जोडी गई समझी जाएगी ---
 - "7. इस रिहाई ब्राविश की यह शर्त है कि इसे सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण के पास इस सम्बन्ध में सम्बद्ध सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण द्वारा निर्धारित सर्तों के अनुसार रिहाई आदेश जारी होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर पंजीकृत कराया जाएगा। रिहाई आदेशधारी की ओर से रिहाई आदेश को निर्धारित अविद के भीतर पंजीकृत कराने में चूक होने से सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण से सेवा प्राप्त करने के लिए यह रिहाई आदेश अवैध हो जाएगा।"
- 4. मह भी निष्यय किया गया है कि वे सभी रिहाई ध्रादेशधारी जिनके पास वर्तमान वैध रिहाई ब्रादेश हैं, उन्हें चाहिए कि वे प्रपने रिहाई ध्रादेशों को इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने की नारी के से 60 ि में के भीकर सम्बद्ध सर्गी बद्ध करने वाले ब्राधिक रंगो ने पास पजी बुन करा लें।

हिस सभी रिहाई भ्राटेण जिनका पंजीकरण निर्धारित भ्रत्रिध के भीतर सरणीबद्ध करने वाले श्राभि-करणों के पास नहीं हुआ है, वे समाप्त हुए समझे जाएंगे।

- 5. वे सभी रिहाई आदेश जिनमें सम्बद्ध सरणीबद्ध करने वाले श्रिभिकरणों के पास यथा उपर्यूक्त निर्धारित 60 दिनों की श्रविध के भीतर पंजीकृत है वे भी णामिल है, जैसे ही बैधता श्रविध जो सामान्यल: 12 माह की होतो है, समाप्त हो जाती है, तो वे भी समाप्त ो जाएंगे और जो रिहाई श्रादेश समाप्त हो जाएंगे उन पर सरणीबद्ध करने वाले श्रीकरण विचार नहीं करेंगे। लेकिन, उन सामलों जिनमें श्रावेदक सम्बद्ध सरणीबद्ध करने वाले श्रीकरण में मूल रूप में एक पव इस सम्बन्ध में प्रस्तुत करना है कि खास रिहाई श्रावेध के श्रन्तर्गत श्राने वाले माल का सभरण उनके द्वारा मूल या बढ़ाई गई बैध श्रविध के भीतर जैसा भी सामला हो, श्रावेदक के नियंत्रण में पर परिन्थितियों के कारण नहीं हो सका ता रिहाई श्रावेशों की एक वार में छह माह की पुनर्बेधकरणी की श्रविध के लिए श्रावेदन पत्र पर किया पात्रान के श्राधार पर सम्बद्ध सरणीबद्ध करने वारो श्रीकरण द्वारा किया जा सकता है।
- 6. श्रायात ब्यापार नियंत्रण हैष्टबुक, श्रियाविधि, 1974-75 श्रीर 1974-75 के लिए श्रायात व्यापार नियंत्रण नीति (रेडब्क वा 1) की सम्बन्धित व्यवस्थाए तदनुसार संमोधित की गई समझी जाएं।

बीठ डीठ कुमार, मख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्मात ।